भारी उद्योग मंत्रालय

मांग संख्या 48

ओओएमएफ 2026-27 जिनका परिव्यय 500.00 करोड़ रुपये से कम है

1) 'राष्ट्रीय उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण कार्यक्रम' स्कीम के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (2026-27)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	आउटपुट 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27		संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
86.00	1. एसीसी विनिर्माण में निवेश में वृद्धि	1.1 लाभार्थी फर्मों द्वारा स्थापित विनिर्माण इकाइयों की संख्या	2	1. भारत में एसीसी विनिर्माण क्षमता में वृद्धि	1.1 भारत में एसीसी विनिर्माण इकाइयों की कुल क्षमता (गीगावाट घंटा)	10
		1.2 लाभार्थी फर्मों को दी गई सब्सिडी की राशि (करोड़ रुपये में)	35			
		1.3 वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक भारत में अनुमोदित आवेदकों द्वारा किया जाने वाला निवेश (करोड़ रुपये में)	900			

2) भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि चरण -2, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये)	आउटपुट 2026-27		लक्ष्य 2026-27
2026-27	आउटपुट	संकेतक	
125.36	नई मशीनों के लिए अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि।	स्थापित और कार्यरत उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या (संचयी)	7
		स्थापित और कार्यरत उद्योग त्वरण केंद्रों की संख्या (संचयी)	9
	सीईएफसी के अवसंरचना भौतिक साझा में रूप के सुविधा औद्योगिक एकीकृत/ प्रतिस्पर्धात्मकता में क्षेत्र वस्तु पूंजीगत भारतीय से माध्यम के निर्माणमें वृद्धि।	स्थापित और कार्यरत सीईएफसी की संख्या (संचयी)	4
	पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ावा देकर भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि।	विकसित किए गए योग्यता पैकेजों की संख्या (2024-25 में 48 योग्यता पैकेजों का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है)	1
	मौजूदा परीक्षण और प्रमाणन अवसंरचना को संवर्धित करके भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि।	मौजूदा परीक्षण और प्रमाणन अवसंरचना के संवर्धन हेतु पूर्ण और प्रचालनरत में आ चुकी परियोजनाओं की संख्या (संचयी)	6

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये)	परिणाम 2026-27		लक्ष्य 2026-27
2026-27	परिणाम	संकेतक	
125.36	उत्कृष्टता केंद्रों और उद्योग त्वरण केंद्रों के माध्यम से विकसित प्रौद्योगिकी	विकसित की जा रही प्रौद्योगिकियों की संख्या **(संचयी)**	90
	विनिर्माण क्षेत्र में मूल्यवर्धित सेवाओं को सुगम बनाने के लिए साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या **(संचयी)** (वर्ष 2025-26 में 10000 का लक्ष्य निर्धारित किया गया था)	12,000
	टीआईपी का संचालन और रखरखाव	पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या) **(संचयी** (वर्ष 2025-26 में 88000 का लक्ष्य निर्धारित किया गया था)	92,000
	मशीनरी के विभिन्न गुणों के परीक्षण हेतु मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्रों का विस्तार	परीक्षण किए गए वाहनोंउप/मशीनों/ संख्या की करणों **(संचयी)** **(वित्त वर्ष 2025-26 में 1500 वाहनों/ का परीक्षण के उपकरणों/मशीनों लक्ष्यनिर्धारित किया गया है**	1600